Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित

MODEL PAPER 2023

कक्षा-10 हिन्दी (केवल प्रश्न-पत्र)

समय: तीन घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 70

नोट: (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्न पत्र दो खण्ड–खण्ड-अ एवं खण्ड-ब में विभाजित है।

(iii) खण्ड अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये हैं।

(iv) खण्ड ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख अंक दिये गए हैं।

खण्ड-'अ'

1. हिन्दी का प्रथम उपन्यास है- 1

(क) परीक्षा गुरु (ख) गोदान

(ग) अलग-अलग वैतरिणी (घ) इनमें से कोई नहीं

2. हिन्दी की प्रथम कहानी है- 1

(क) कफन (ख) ममता

(ग) इन्दुमती (घ) इनमें से कोई नहीं

3. निम्न में से सरस्वती किस युग की पत्रिका है? - 1

(क) छायावादी (ख) द्विवेदी युग की

(ग) प्रगतिवादी युग की (घ) इनमे से कोई नहीं

4. एकांकी सम्राट कहा जाता है - 1

(क) रामकुमार वर्मा को (ख) सेठ गोविन्ददास को

(ग) हरिकृष्ण प्रेमी को (घ) मोहन राकेश को

5. नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापक थे - 1

(क) पुरुषोत्तम दास टण्डन (ख) मदन मोहन मालवीय

(ग) श्याम सुन्दर दास (घ) रामचन्द्र शुक्ल

6. 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक थे - 1

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

(क) बालकृष्ण भट्ट (ख) प्रताप नारायण मिश्र

(ग) राधा चरण गोस्वामी (घ) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'

7. हिंद्री साहित्य का इतिहास के लेखक हैं - 1

(क) श्याम सुन्दर दास (ख) रामचन्द्र शुक्ल

(ग) महावीर प्रसाद द्विवेदी (घ) बालकृष्ण भट्ट

8. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए- 1

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक डॉ. रामकुमार वर्मा हैं।

(ख) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' उपन्यास विधा की रचना है।

(ग) 'गोदान' के लेखक प्रेमचन्द हैं।

(घ) 'मित्रता' निबन्ध के लेखक डॉ. श्याम सुन्दर दास हैं।

9. शोक विकल सब रोवहिं रानी, रूप शि बल तेज बखानी।। में कौन-सा रस है- 1

(क) करुण रस (ख) शृंगार रस

(ग) शान्त रस (घ) वीर रस

10. 'जो सुमिरत सिधि होइ, गननायक करिवर बदन ।' के दोनों चरणों में कितनी मात्राएँ हैं ? - 1

(क) 12 (ख) 16

(ग) 24 (घ) 30

11. 'चरण कमल बन्दौ हरि राई ।' में किस अलंकार की अभिव्यक्ति हुई है? - 1

(क) रूपक (ख) उपमा

(ग) उत्प्रेक्षा (घ) श्लेष

12. 'त्रिफला' का समास विग्रह है- 1

(क) तीन फलों का समूह (ख) दो फलों का समूह

(ग) अमृत फल का समूह (घ) इनमें से कोई नहीं

13. 'कपड़ा' का तत्सम् है - 1

(क) वस्त्र (ख) कर्पट

(ग) दुकूल (घ) पहनावा

14. 'अग्नि' का पर्यायवाची है- 1

(क) अनल (ख) पावक

(ग) आग (घ) उक्त सभी

15. पेड़, तरु, द्रुम आदि कहलाते हैं - 1

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

(क) पर्यायवाची (ख) विलोम

(ग) तद्भव (घ) तत्सम

16. मध्वरिः में कौन-सी सन्धि है ? - 1

(क) दीर्घ (ख) गुण

(ग) यण (घ) अयादि

17. 'तथैव' में सन्धि विग्रह है - 1

(क) तथा + एव (ख) तथ + एव

(ग) तथै + व (घ) तथ + ऐव

18. 'फलेषु' किस विभक्ति व वचन का रूप है ? - 1

(क) पंचमी विभक्ति एकवचन

(ख) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(ग) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(घ) सप्तमी विभक्ति एकवचन

19. 'पठतु' किस लकार का रूप है ? - 1

(क) लोट् लकार (ख) लट् लकार

(ग) लङ् लकार (घ) लृट् लकार

20. 'द्रक्ष्यति' किस लकार, पुरुष व वचन का रूप है ? - 1

(क) लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

(ख) लट् लकार, प्रथम पुरुष एकवचन

(ग) लोट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन

(घ) इनमें से कोई नहीं

खण्ड-"ब"

21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2+2+2= 6

(क) मित्र का कर्त्तव्य इस प्रकार बताया गया है- उच्च और महान् कार्य में हर प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम कर जाओ। यह कर्त्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़चित्त और सत्य-संकल्प का हो । इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा।

(i) उपर्युक्त गद्यश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) मित्र का कर्तव्य कैसा होना चाहिए ?

अथवा

(ख) कितना जीवन बरस पड़ा है इन दीवारों पर, जैसे फसाने अजायब का भण्डार खुला पड़ा हो। कहानी से कहानी बनती अली गई है। बन्दरों की कहानी, हाथियों की कहानी, हिरनों की कहानी कहानी क्रूरता और भय की दया और त्याग की। जहाँ बेहमी है वहीं दया का भी समुद्र उमड़ पड़ा है, जहाँ पाए है वहीं क्षमा का सोता टूट पड़ा है। राजा और बंगले, विलासी और भिक्षु, नर और नार्ग, मनुष्य और पशु सभी कलाकारों के हाथों सिरजते चले गए हैं। हैवान की हैवानी को इन्सान की इन्सानियत से कैसे जीना जा सकता है, कोई अता में जाकर देखे।

(अ) उपर्युक्त गद्यश का सन्दर्भ लिखिए।

(ब) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(स) दीवारों पर बने चित्र किन-किन से सम्बन्धित है?

22. निम्नांकित पद्यश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2+2+2= 6

(क) निर्भय स्वागत करो मृत्यु का, मृत्यु एक है विश्राम स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है, धारणकर नवजीवन संबल
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें, श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है, काया रूपी वस्त्र बहाकर

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) कवि मृत्यु का स्वागत किस प्रकार करने के लिए कह रहा है?

(iii) कवि ने मृत्यु की तुलना किससे की है?

अथवा

(ख)सुनि सुन्दर बैन सुधारस-साने, सयानी है जानकी जानी भली।

तिरछे करि नैन दे सैन तिन्हें समुझाइ कछू मुसकाइ चली।
तुलसी तेहि औसर सोहं सबै अवलोकति लोचन-लाहु अली।
अनुराग-तड़ाग में भानु उदै विगसी मनो मंजुल कंज कली।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) ग्राम बधुओं ने सीताजी से क्या पूछा?

(iii) प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

23. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी का अनुवाद अपने शब्दों में कीजिए- 1+3 =4

(i) एषा कर्मवीराणां संस्कृतिः। 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः' इति अस्याः उद्घोषः। पूर्व कर्म, तदनन्तरं फलम् इति अस्माकं संस्कृते नियमः इदानीं यदा वयं राष्ट्रस्य नवनिर्माणे संलग्नाः स्मः निरन्तरं कर्मकरणम् अस्माकं मुख्यं कर्त्तव्यम्। निजस्य श्रमस्य फलं भोग्यं, अन्यस्य श्रमस्य शोषणं सर्वथा वर्जनीयम्। यदि वयं विपरीतम् आचरामः तदा न वयं सत्यं भारतीय संस्कृतेः उपासकाः। वयं तदैव यथार्थं भारतीयाः यदा अस्माकम् आचारे विचारे च अस्माकं संस्कृतिः लक्षिता भवेत्।

अथवा

(ii) वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिता। अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहुराजते अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहुप्रशंसन्ति ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए- 1+3 =4

(i) सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागू भवेत् ||

अथवा

(ii) मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न सोचति|
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत् ।।

24. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं का नाम लिखिए- 3+1 =4

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं का उल्लेख कीजिए -3+1 =4

(i) तुलसीदास

(ii) रामनरेश त्रिपाठी

(iii) श्याम नारायण पाण्डेय

25. अपनी पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2

26. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए- 2+2 =4

(अ) वाराणसी किमर्थं प्रसिद्धा ?

(ब) अलक्षेन्द्रः कः आसीत् ?

(स) नागरिकः किमर्थं लज्जितः अभवत् ?

(द) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?

27. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किसी एक के मेल से एक शब्द बनाइए- 1

(i) परा (ii) अनु (iii) अभि

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक प्रत्यय का प्रयोग करके एक शब्द बनाइए – 1

(i) अनीय (ii) त्व (iii) ता

28. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए - 2+2 =4

(अ) वह घर गयी।

(ब) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

(स) यह राम की किताब है।

(द) मैं विद्यालय जाऊँगा।

(य) मार्ग के दोनों ओर वृक्ष थे।

29. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए- 5

(i) कम्प्यूटर शिक्षा

(ii) पर्यावरण प्रदूषण

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

(iii) विज्ञान अभिशाप या वरदान

(iv) परहित सरिस धर्म नहिं भाई

30. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए-5

(क) 'ज्योति जवाहर' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक 'जवाहरलाल नेहरू' का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

(ग) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश लिखिए।

अथवा 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग (आयोजन) का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) 'मेवाड़-मुकुट' के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के पंचम षष्ठ सर्ग की कथा अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए।

(च) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा 'कर्मवीर भरत' का कथानक संक्षेप में लिखिए। (छ) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रतिनायक मेघनाद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ज) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक (चन्द्रशेखर आजाद) का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग (संकल्प) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(झ) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक की दानवीरता का वर्णन कीजिए।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free